

शर्मनाक : रांची रेलवे स्टेशन के पास कचरा व जलजमाव



फोटो : समीर

नये निदेशक के आने से बदलने लगी रिस्प की व्यवस्था

खराब पड़े 18 वेंटिलेटर और 100 ऑक्सीजन पॉइंट रिपेयर

निदेशक ने दिये जरूरी दवाओं के भी आर्डर

खबर मन्त्र व्यूह



एक सप्ताह के अंदर जस्ती

रांची। रांडेंग आयुर्विज्ञान संस्थान (रिस्प) के प्रभारी निदेशक डॉ आरके गुला ने कहा कि गर्मीजों को मासूली साधारण रूप से चैपियनशिप में भारतीय टीम में जारीखंड राज्य से चयनित खिलाड़ी आशाइन जुरिएल मिंज ने उम्मा प्रदर्शन करते हुए 7 वर्ष आयु वर्ग के कुमिटे में रजत और काता में कांस्य पदक जीतकर देश का परचम लहराया। उन्होंने कुमिटे में श्रीलंका के खिलाड़ी को सेमी फाइनल राउंड में 6 अंक के अंतर से हासिकर फाइनल में प्रवेश किया। वर्षों फाइनल राउंड में निरीक्षण की तरीकी से घोषणा की गयी। इसका आर्डर एक सप्ताह में रिस्प में भर्ती गर्मीजों को सभी जस्ती दवाओं के लिए उपलब्ध हो जाएगी।

बनाए गए नोडल ऑफिसर व इंचार्ज : इमर्जेंसी की व्यवस्था को सुरक्षित करने के लिए एक व्यवस्था को सुरक्षित करने के लिए उपर्युक्त को दुरुस्त करने की विश्वास में केंटम भी बढ़ाया। इसी कड़ी में खराब 18 वेंटिलेटर को दुरुस्त कर दिया गया है। साथ ही 100 ऑक्सीजन पॉइंट भी मस्तक परियार्थी की व्यवस्था को बढ़ाया है, जबकि डॉ ऋषिषुरुण गुडिया को इमर्जेंसी का इंचार्ज करना चाहा गया है।

रांची। रांची रेलवे स्टेशन के पास कचरा व जलजमाव

पहाड़ी मंदिर की दान पेटी से मिला 5 रुपये का नेपाली नोट

खबर मन्त्र व्यूह

को 7,59,065 रुपए नगद भी मिले हैं।

पैसों की गिनती आवासीय

दंडाधिकारी हटिया स्पृति कुमारी

और पहाड़ी मंदिर विकास समिति

के कोषाध्यक्ष उत्तम कुमार के

पहाड़ी मंदिर की दानपेटी से मिले

5 रुपये के नेपाली नोट को देखकर

लगाया गया सकता है। पहाड़ी मंदिर

विकास समिति ने रखे

दानपेटियों के पैसों की गिनती की

गई। इसमें 5 रुपये का नेपाली नोट

मिला। इसके अलावा 4 नोट, 8

नगद, दो बेलपत्र और एक चांदी के

पिंडों की गिनती गई।

इसके अलावा गिनती के

दो बेलपत्र और एक चांदी के

पिंडों की गिनती गई।

इसके अलावा गिनती के

दो बेलपत्र और एक चांदी के

पिंडों की गिनती गई।

इसके अलावा गिनती के

दो बेलपत्र और एक चांदी के

पिंडों की गिनती गई।

इसके अलावा गिनती के

दो बेलपत्र और एक चांदी के

पिंडों की गिनती गई।

इसके अलावा गिनती के

दो बेलपत्र और एक चांदी के

पिंडों की गिनती गई।

इसके अलावा गिनती के

दो बेलपत्र और एक चांदी के

पिंडों की गिनती गई।

इसके अलावा गिनती के

दो बेलपत्र और एक चांदी के

पिंडों की गिनती गई।

इसके अलावा गिनती के

दो बेलपत्र और एक चांदी के

पिंडों की गिनती गई।

इसके अलावा गिनती के

दो बेलपत्र और एक चांदी के

पिंडों की गिनती गई।

इसके अलावा गिनती के

दो बेलपत्र और एक चांदी के

पिंडों की गिनती गई।

इसके अलावा गिनती के

दो बेलपत्र और एक चांदी के

पिंडों की गिनती गई।

इसके अलावा गिनती के

दो बेलपत्र और एक चांदी के

पिंडों की गिनती गई।

इसके अलावा गिनती के

दो बेलपत्र और एक चांदी के

पिंडों की गिनती गई।

इसके अलावा गिनती के

दो बेलपत्र और एक चांदी के

पिंडों की गिनती गई।

इसके अलावा गिनती के

दो बेलपत्र और एक चांदी के

पिंडों की गिनती गई।

इसके अलावा गिनती के

दो बेलपत्र और एक चांदी के

पिंडों की गिनती गई।

इसके अलावा गिनती के

दो बेलपत्र और एक चांदी के

पिंडों की गिनती गई।

इसके अलावा गिनती के

दो बेलपत्र और एक चांदी के

पिंडों की गिनती गई।

इसके अलावा गिनती के

दो बेलपत्र और एक चांदी के

पिंडों की गिनती गई।

इसके अलावा गिनती के

दो बेलपत्र और एक चांदी के

पिंडों की गिनती गई।

इसके अलावा गिनती के

दो बेलपत्र और एक चांदी के

पिंडों की गिनती गई।

इसके अलावा गिनती के

दो बेलपत्र और एक चांदी के

पिंडों की गिनती गई।

इसके अलावा गिनती के

दो बेलपत्र और एक चांदी के

पिंडों की गिनती गई।

इसके अलावा गिनती के

दो बेलपत्र और एक चांदी के

पिंडों की गिनती गई।

इसके अलावा गिनती के

दो बेलपत्र और एक चांदी के

पिंडों की गिनती गई।

इसके अलावा गिनती के

दो बेलपत्र और एक चांदी के

पिंडों की गिनती गई।

इसके अलावा गिनती के

दो बेलपत्र और एक चांदी के

पिंडों की गिनती गई।

इसके अलावा गिनती के

दो बेलपत्र और एक चांदी के

पिंडों की गिनती गई।

इसके अलावा गिनती के

दो बेलपत्र और एक चांदी के

पिंडों की गिनती गई।

इसके अलावा गिनती के

दो बेलपत्र और एक चांदी के

पिंडों की गिनती गई।

इसके अलावा गिनती के

दो बेलपत्र और एक चांदी के

पिंडों की गिनती गई।

इसके अलावा गिनती के

दो बेलपत्र और एक चांदी के

पिंडों की गिनती गई।

इसके अलावा गिनती के

दो बेलपत्र और एक चांदी के

पिंडों की गिनती गई।

इसके अलावा गिनती के

दो बेलपत्र और एक चांदी के



स्पीड न्यूज़

भाजपाइयों ने सुनी नन की बात



रामगढ़। वृथ ने 44 पर रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात भजपाइयों ने सुनी। इस दौरान भाजपाइयों ने कहा की प्रधानमंत्री के मन की बात में प्रेषणादायक बातें कही गई। मौके पर जिला महानंत्री रंजन गोदी, केंट मंडल मंत्री अंजीत गुप्ता, युवा मोर्चा पर उपाध्यक्ष नीरज प्रताप सिंह, हरीश मिश्रा आदि मौजूद थे।

गुरुनानक स्कूल के पूर्व अध्यक्ष का निधन



रामगढ़। श्री गुरु नानक

पलिक स्कूल के पूर्व अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह हारा रवेवार को निधन हो गया। विगत दो महीनों से वो बीमार रहे थे।

। परिवार के भरभुर प्रयास के बावजूद उनका निधन हो गया।

उनके निधन पर विदायत के

प्राणगंग में शोक सभा का

आयोजन किया गया। जिसमें गुरुद्वारा प्रधान सरदार परमदीप सिंह कालारा ने शोक संवेदन व्यक्त करते हुए बताया कि सरदार सुरेंद्र सिंह हारा ने वर्ष 2010 से 2012 के बीच विद्यालय के अध्यक्ष पद पर अपनी सेवाएं दी थी और विद्यालय के कानून एवं राज्य का नाम रोशन किया। विजेता सभी प्रतिभायों के मैडल व बोट प्रतियोगिता में सभी राज्यों से आएं मिला व पुरुष खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए अपने अपने राज्य का नाम रोशन किया। विजेता सभी प्रतिभायों के मैडल व प्रशिक्षण पत्र देके समानित किया गया।

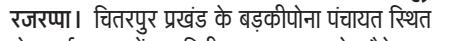
कार्यक्रम में अध्यक्ष विनोद केवी शम्पा, मुख्य सचिव विनोद वर्मा, भाजपा प्रदेश प्रभारी रंजीत चंद्रवंशी, झारखण्ड बैठक में आजीत गुप्ता, योगदान दिवस के लिए एक नये मुकाम पठवाया। इसके अलावा उन्होंने गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा रामगढ़ में जनरल स्कैटरी, स्कूल में ही कवरन के रूप में भी अपनी सेवाएं दी। वे विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से भी जुड़े हुए थे। वे 40 वर्ष तक रोटरी क्लब से जुड़े रहे। वर्दमान में इनके छोटे भाई सरदार हरदीप सिंह विद्यालय में सदस्य के रूप में मनोनीत हैं और अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

कुंदू बाबू के ऑफिस में सुनी नन की बात



रामगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को रविवार को पूरे जिले के प्रत्येक बूथ पर सुना गया। यह जनकारी एक विसिके के माध्यम से भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी सचिव योधीरी ने दिया। उन्होंने बताया की वृथ नंबर 50 के अंतर्गत निवास करने वाले भाजपा रामगढ़ के पूर्व विद्यालय के अध्यक्ष पद पर अपनी सेवाएं दी थी और विद्यालय के कानून एवं राज्य का नाम रोशन किया। इसके अलावा उन्होंने गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा रामगढ़ में जनरल स्कैटरी, स्कूल में ही कवरन के रूप में भी अपनी सेवाएं दी। वे विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से भी जुड़े हुए थे। वे 40 वर्ष तक रोटरी क्लब से जुड़े रहे। वर्दमान में इनके छोटे भाई सरदार हरदीप सिंह विद्यालय में सदस्य के रूप में मनोनीत हैं और अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

कुंदू बाबू के ऑफिस में सुनी नन की बात



रामगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को रविवार को पूरे जिले के प्रत्येक बूथ पर सुना गया। यह जनकारी एक विसिके के माध्यम से भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी सचिव योधीरी ने दिया। उन्होंने बताया की वृथ नंबर 50 के अंतर्गत निवास करने वाले भाजपा रामगढ़ के पूर्व विद्यालय के अध्यक्ष पद पर अपनी सेवाएं दी थी और विद्यालय के कानून एवं राज्य का नाम रोशन किया। इसके अलावा उन्होंने गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा रामगढ़ में जनरल स्कैटरी, स्कूल में ही कवरन के रूप में भी अपनी सेवाएं दी। वे विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से भी जुड़े हुए थे। वे 40 वर्ष तक रोटरी क्लब से जुड़े रहे। वर्दमान में इनके छोटे भाई सरदार हरदीप सिंह विद्यालय में सदस्य के रूप में मनोनीत हैं और अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

भाजपाइयों ने भी जारी जारी रहा है।

भाजपाइयों ने भी

शक्तिपीठ राजप्पा

राजप्पा स्थित सिद्धपीठ देश की 51 सिद्ध शक्तिपीठों में से एक है। यह हजारीबाग जिला के रामगढ़ से करीब 31 किलोमीटर दूर है। दो नदियों, भूमध्य और दामोदर के संगम पर मां छिन्नमस्तिका



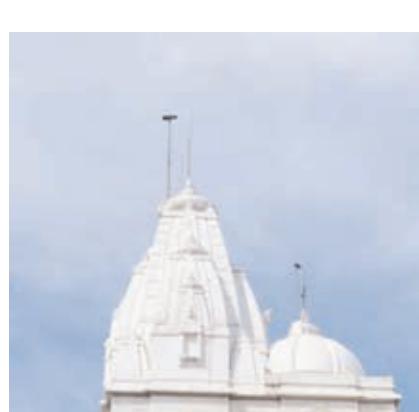
का मंदिर है। इसे पर्यटन स्थल के रूप में सरकार ने मान्यता दे रखी है।

बैद्यनाथधाम

देवघर जिला का यह प्रसिद्ध तीर्थ स्थल शिव की नगरी के नाम से पूरे देश में चर्चित है। बैद्यनाथ शिवलिंग द्वारा ज्योतिर्लिंगों में प्रमुख है। बैद्यनाथ मंदिर में सचन (जुलाई-अगस्त) में जो मेला लगता है, उसमें देश-विदेश से लाखों द्विंदु तीर्थयात्री पहुंचते हैं। मंदिर लगभग 22 मीटर ऊंचा है। इसके अतिरिक्त देवघर में नौलखा मंदिर, लौला मंदिर, सतसगं आदि भी दर्शनीय हैं। मुख्य शहर से 6 किलो मीटर दक्षिण पूर्व में तोपेवन है, जहां प्राकृतिक गुफाएं और शिलाखण्ड आकृतिक रूप से रखे हैं। शहर से 16 किलोमीटर दूर त्रिकुट पर्वत है, जो पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। देवघर से 43 किलोमीटर दूर वासुकीनाथ का भव्य मंदिर है।

सम्मेत शिखरजी

गिरिधीह जिला स्थित पारसनाथ पर्वत झारखण्ड राज्य की अमूल्य सांकृतिक एवं प्राकृतिक धरोहर है। यह झारखण्ड का सबसे ऊंचा और सबसे बड़ा पहाड़ है। इसकी ऊंचाई करीब 4500 फीट है। पूरा पहाड़ जंगल से घिरा हुआ है। वहां की प्राकृतिक छटा अद्भुत है। कई ऐसी जड़ी-बूटीयों के लिए भी यह पहाड़ प्रसिद्ध है, जो लुप्तप्राय हैं। यह पहाड़ नदी के लिए पवित्र तीर्थ स्थल है। इस पहाड़ पर जैन धर्म के कुल 24 में से 20 तीर्थकरों की निर्बाण प्राप्त हुआ था। प्रथम तीर्थकर श्री श्रृङ्गदेव थे, जिन्होंने जैन धर्म की स्थापना की थी। चौबीसवें तीर्थकर श्री महावीर थे, जिनके कारण जैन धर्म विश्व भर में फैला। इसलिए हर जैनी की यह हाँदिक इच्छा होती है कि वह साल में कम से कम एक बार दर्शन लाभ के लिए इस पर्वत के शिखर पर पहुंचे। पारसनाथ पहाड़ पर प्रथम और द्वितीय बाइसवे और चौबीसवें तीर्थकरों की निर्बाण प्राप्त



हुआ था। 23वें तीर्थकर श्री पार्श्वनाथ के नाम पर ही पहाड़ का नाम पारसनाथ पहाड़ पड़ा। पहाड़ के शिखर पर बीसों तीर्थकरों के चरण चिन्ह अंकित हैं। इस शिखर को 'सम्मेत शिखरजी' कहा जाता है।

तीर्थकरों के चरण चिन्हों को 'टैंक' कहा जाता है। उन बीस टैंकों के अलावा शिखर पर 11 अन्य टैंक भी हैं, जो अन्य मन्दिरों एवं धर्मगुरुओं के हैं।

यहां एक जलपर्याय भी है, जिसमें 20 तीर्थकरों की प्रतिमाएं हैं। जलपर्याय की विशेषता यह है कि इसमें सातों भर पहाड़ से पानी आता रहता है और मंदिर के चारों तरफ बने हाँदों से निकलता जाता है।

सम्मेत शिखर तक की अवधि अनेक बार-बार और रोमांचकरी भी है। पैदल चढ़ने में चार से पांच घंटे लगते हैं।

शिखर से नीचे तलहटी में देखने पर चारों ओर का नाम धर्मशालाएँ हैं, जिनमें ठहरने की निश्चलक व्यवस्था है। यहां भी नये-नये संस्थान और मंदिर स्थापित किये जा रहे हैं। हजारीबाग से करीब 80

किलोमीटर ऊंचा पूर्व में स्थित इस तीर्थ स्थल पर सफेद एवं रंगीन पत्थरों से बना सामोरेशन मंदिर, भूमिया मंदिर, राजदाहा जलाशय जैसे दर्शनीय स्थल भी हैं।

**यहां जाकर सकून पाये**

पर्यटन के साथ मन की शांति

झारखण्ड में पर्यटन स्थलों की भरमार है। कई ऐसे पर्यटन स्थल हैं जहां जाने के लिए आपको ज्यादा खर्च करने की जरूरत नहीं है। आप अपने बजट के अनुसार पर्यटन स्थल का चुनाव कर सकते हैं। आज हम आपको ऐसे झारखण्ड के ऐसे जगहों के बारे में बता रहे हैं। जहां आने के बाद आपको सिर्फ आनंद ही नहीं मिलता बल्कि आपको मन की शांति भी मिलती है।

झारखण्ड की राजधानी रांची प्रकृति की गोद में है। यहां शहर के बीच 'रांची पहाड़ी' है। धुमावनर संस्थानों से शिखर पर पहुंचने तो पूरे शहर नज़र आता है। यहां 'टैगोर विल' और धर्मालंकित गुफाएं भी दर्शन के लिए एकी पहाड़ी पर रखे हुए हैं। यहां वर्षा विदेशी एवं एकत्रावास करते थे। उन्होंने पहाड़ी पर सुदूर सा मकान भी बनवाया था। पहाड़ी के एक निजिन कोने में छोटा सा चबूतरा बना हुआ है, उपर सीमेंट की छतरी। वहां से सुर्यस्त और सूर्योदय के वक्त सामने दूर तक फैले प्रकृति के सौंदर्य को देखा जा सकता और उसके पीछे रांची की सुना जा सकता है। यहां जाना है कि प्रसिद्ध साक्ष का 'वामाखेप' की साधना देवी मौलिक्षा के अंक में ही पूरी हुई थी। वामाखेप की जीवन लीला मां तारा से जुड़ी थी और उनकी समाधि तारपीट में है। आज भी वामाखेप का विश्वल मलूटी में रस्थान की थी। यहां के मर्दियों में रामाखेप के विभिन्न दृश्य भूमिका भी रखते हैं। कहा जाता है कि प्रसिद्ध साक्ष 'वामाखेप' की साधना देवी मौलिक्षा के अंक में ही पूरी हुई थी। वामाखेप की जीवन लीला मां तारा से जुड़ी थी और उनकी समाधि तारपीट में है। आज भी वामाखेप का विश्वल मलूटी में रस्थान की थी। यहां के मर्दियों में रामाखेप के विभिन्न दृश्य भूमिका भी रखते हैं। कहा जाता है कि प्रसिद्ध साक्ष 'वामाखेप' की साधना देवी मौलिक्षा के अंक में ही पूरी हुई थी। यहां जाना है कि प्रसिद्ध साक्ष 'वामाखेप' की साधना देवी मौलिक्षा के अंक में ही पूरी हुई थी। वामाखेप की जीवन लीला मां तारा से जुड़ी थी और उनकी समाधि तारपीट में है। आज भी वामाखेप का विश्वल मलूटी में रस्थान की थी। यहां के मर्दियों में रामाखेप के विभिन्न दृश्य भूमिका भी रखते हैं। कहा जाता है कि प्रसिद्ध साक्ष 'वामाखेप' की साधना देवी मौलिक्षा के अंक में ही पूरी हुई थी। वामाखेप की जीवन लीला मां तारा से जुड़ी थी और उनकी समाधि तारपीट में है। आज भी वामाखेप का विश्वल मलूटी में रस्थान की थी। यहां के मर्दियों में रामाखेप के विभिन्न दृश्य भूमिका भी रखते हैं। कहा जाता है कि प्रसिद्ध साक्ष 'वामाखेप' की साधना देवी मौलिक्षा के अंक में ही पूरी हुई थी। वामाखेप की जीवन लीला मां तारा से जुड़ी थी और उनकी समाधि तारपीट में है। आज भी वामाखेप का विश्वल मलूटी में रस्थान की थी। यहां के मर्दियों में रामाखेप के विभिन्न दृश्य भूमिका भी रखते हैं। कहा जाता है कि प्रसिद्ध साक्ष 'वामाखेप' की साधना देवी मौलिक्षा के अंक में ही पूरी हुई थी। वामाखेप की जीवन लीला मां तारा से जुड़ी थी और उनकी समाधि तारपीट में है। आज भी वामाखेप का विश्वल मलूटी में रस्थान की थी। यहां के मर्दियों में रामाखेप के विभिन्न दृश्य भूमिका भी रखते हैं। कहा जाता है कि प्रसिद्ध साक्ष 'वामाखेप' की साधना देवी मौलिक्षा के अंक में ही पूरी हुई थी। वामाखेप की जीवन लीला मां तारा से जुड़ी थी और उनकी समाधि तारपीट में है। आज भी वामाखेप का विश्वल मलूटी में रस्थान की थी। यहां के मर्दियों में रामाखेप के विभिन्न दृश्य भूमिका भी रखते हैं। कहा जाता है कि प्रसिद्ध साक्ष 'वामाखेप' की साधना देवी मौलिक्षा के अंक में ही पूरी हुई थी। वामाखेप की जीवन लीला मां तारा से जुड़ी थी और उनकी समाधि तारपीट में है। आज भी वामाखेप का विश्वल मलूटी में रस्थान की थी। यहां के मर्दियों में रामाखेप के विभिन्न दृश्य भूमिका भी रखते हैं। कहा जाता है कि प्रसिद्ध साक्ष 'वामाखेप' की साधना देवी मौलिक्षा के अंक में ही पूरी हुई थी। वामाखेप की जीवन लीला मां तारा से जुड़ी थी और उनकी समाधि तारपीट में है। आज भी वामाखेप का विश्वल मलूटी में रस्थान की थी। यहां के मर्दियों में रामाखेप के विभिन्न दृश्य भूमिका भी रखते हैं। कहा जाता है कि प्रसिद्ध साक्ष 'वामाखेप' की साधना देवी मौलिक्षा के अंक में ही पूरी हुई थी। वामाखेप की जीवन लीला मां तारा से जुड़ी थी और उनकी समाधि तारपीट में है। आज भी वामाखेप का विश्वल मलूटी में रस्थान की थी। यहां के मर्दियों में रामाखेप के विभिन्न दृश्य भूमिका भी रखते हैं। कहा जाता है कि प्रसिद्ध साक्ष 'वामाखेप' की साधना देवी मौलिक्षा के अंक में ही पूरी हुई थी। वामाखेप की जीवन लीला मां तारा से जुड़ी थी और उनकी समाधि तारपीट में है। आज भी वामाखेप का विश्वल मलूटी में रस्थान की थी। यहां के मर्दियों में रामाखेप के विभिन्न दृश्य भूमिका भी रखते हैं। कहा जाता है कि प्रसिद्ध साक्ष 'वामाखेप' की साधना देवी मौलिक्षा के अंक में ही पूरी हुई थी। वामाखेप की जीवन लीला मां तारा से जुड़ी थी और उनकी समाधि तारपीट में है। आज भी वामाखेप का विश्वल मलूटी में रस्थान की थी। यहां के मर्दियों में रामाखेप के विभिन्न दृश्य भूमिका भी रखते हैं। कहा जाता है कि प्रसिद्ध साक्ष 'वामाखेप' की साधना देवी मौलिक्षा के अंक में ही पूरी हुई थी। वामाखेप की जीवन लीला मां तारा से जुड़ी थी और उनकी समाधि तारपीट में है। आज भी वामाखेप का विश्वल मलूटी में रस्थान की थी। यहां के मर्दियों में रामाखेप के विभिन्न दृश्य भूमिका भी रखते हैं। कहा जाता है कि प्रसिद्ध साक्ष 'वामाखेप' की साधना देवी मौलिक्षा के अंक में ही पूरी हुई थी। वामाखेप की जीवन लीला मां तारा से जुड़ी थी और उनकी समाधि तारपीट में है। आज भी वामाखेप का व



नेपाल में भूस्खलन से एक की नौत, 25 लापता काठमाडौं। नेपाल के पूर्वी हिस्से में बाढ़ और भूस्खलन से जन-धन की हानि हुई है। पुलिस के के मुताबिक, भूस्खलन और बाढ़ के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई है और 25 लापता हैं। सखुवासभा जिले के हैवाखाला में शनिवार रात आई बाढ़ में सात घंटे बर्ग गए। पुलिस ने बताया है कि सुपर हैवाखाला जलविहू में काम करने वाले 16 मजदूरों का बाढ़ के कारण संपर्क टूट गया है। रविवार सुबह सिर्फ़ एक मजदूर का शव मिला।

लंदन में भारतीय गूल के युवक की हत्या

लंदन। भारतीय मूल के अविंद शशिकुमार (38) की दीक्षण लंदन में चाकू धोपकर हत्या कर दी गई। तीन दिन पहले भी चाकू से वार कर ब्रिटिश-भारतीय किंशोर और हैदराबाद के एक छात्र की हत्या की जा चुकी है। ब्रिटिशीलन पुलिस ने कहा कि अविंद शशिकुमार की बाजारी को साउथम्पटन-वे में एक आवासीय संपत्ति के बाजार से पर चाकू से वार किए जाने के बाद मौत हो गई। शशिकुमार भारत के केरल के रहने वाले थे।

बीजापुर में तीन

नाओवादी गिरफ्तार
बीजापुर। छीसिंगढ के बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों ने तीन माओवादियों को गिरफ्तार कर उनके पास से एक टिफिन बम सहित कई अन्य विस्फोटक सामग्री बरामद की है। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। माओवादियों के कब्जे से एक टिफिन बम, जिसके की छाँड़े, पृष्ठ, बिजली के तार, नवसाली सालिंग और पर्चे बरामद किए गए हैं, गिरफ्तार माओवादियों की पहचान रमेश पुनेम (28), भीमा पुनेम (21) और सुकून धृष्ण (38) के रूप में हुई हैं।

बाजपा उम्नीदावार के संबंधी का शव निला

पश्चिम बंगाल में अटल जुलाई को होने वाले प्रयाण तुलाव के महेनजर हुई हिस्से के बीच झूचिहार जिले में भाजा के एक उम्नीदावार के रिशेदार का शव मिला। पुलिस ने बताया कि 30 वर्षीय शुद्ध दास को शनिवार रात अंतात युक्तों को रहने के बाहर तुलाव के पास मिला, जिस पर चाकू से वार किए गए थे।

सूडान में वायुसेना ने बरसाए बन, 17 नरे

खार्टूम। सूडान में छिंग हुयुद्द के बीच राजधानी खार्टूम के दक्षिणी हिस्से में देश की वायुसेना के हमले में पांच बच्चों सहित कम से कम 17 नागरिकों की मौत हो गई। मृतकों में महिलाएं भी शामिल हैं। वायुसेना की इस बमबारी पर सूडान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने केसरुक रूप द्वारा जारी किया है। इसमें कहा गया है कि खार्टूम के दक्षिणी हिस्से में स्थित अल-यरमोक और मेर्यो इलाके हवाई हमले की चोटें में आ गए। इस बमबारी में पांच बच्चे, महिलाओं और बुरुणों सहित 17 लोगों की मौत हुई। बमबारी में 25 मकान जमींदारों को कहना है कि सूडानी की वायुसेना के शक्तिशाली तरीके के धमाकों से आसमान धुआं-धुआं हो गया।

बिंग बॉस ओटीटी 2 में नजर आएंगी पूजा भट्ट

मुंबई। बिंग बॉस ओटीटी 2 का दूसरा सीजन जल्द ही दर्शकों के सामने आएगा। शो के पहले सीजन को पछिली बार करण जोर ने होस्ट किया था। हालांकि, इस बार सलमान खान शो की टीवी के साथ-साथ ओटीटी पर भी होस्ट करेंगे। बिंग बॉस के दूसरे सीजन की थोकाएं के साथ एक बात जोर ने दर्शकों के बाजार में बढ़ावा दिया है कि इस बार हालिया भट्ट को एक एक्ट्रेस के रूप में देखा जाएगा। आलिया की फिल्म का एक लुक वीडियो रिलीज किया गया था, जिसमें आलिया भट्ट एक्शन अवतार में नजर आ रही थीं। इसका ट्रेलर भी हाल ही में रिलीज हुआ है। इस ट्रेलर में आलिया भट्ट गैल गैटोट और जेमी डॉनन मुख्य भूमिका में हैं। कुछ दिनों पहले इस फिल्म का फर्म लुक वीडियो रिलीज किया गया था, जिसमें आलिया भट्ट एक्शन अवतार में नजर आ रही थीं। इसका ट्रेलर भी हाल ही में रिलीज हुआ है।

» जिया दिन व्यक्ति के अंदर अंहकार आ जाता है, उसी दिन से शुरू होता है उसका पतन

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में ध्येय फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम के संबंधित करते हुए कहा कि वैने राजनीतिक जीवन में व्यक्ति की अंहकार नहीं पाला। जिस दिन उन्होंने कहा कि जनता में आम धारणा है कि नौकरशाह जनता के साथ उस तरह व्यवहार नहीं करते, जैसा उन्हें करना चाहिए उन्होंने कहा कि जिस दिन अधिकारी हां और नेता हां कहना सीख जाएँ, उस दिन विश्वास का संकट दूर हो जाएगा।

दैर्घ्य उन्होंने कहा कि जनता में आम धारणा है कि नौकरशाह जनता के साथ उस तरह व्यवहार नहीं करते, जैसा उन्हें कहना चाहिए उन्होंने कहा कि जिस दिन अधिकारी हां और नेता हां कहना सीख जाएँ, उस दिन विश्वास का संकट दूर हो जाएगा।

लखनऊ के स्थानीय सांसद राजनाथ ने उपर के मुख्यमंत्री और देश में अटल बिहारी आजपेयी की साथ अधिकारी हां और नेता हां कहना सीख जाएँ, उस दिन विश्वास का संकट दूर हो जाएगा।

रक्षा मंत्री ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीएसएस) में चाकू धोपकर हत्या कर दी गई। तीन दिन पहले भी चाकू से वार कर क्रिटिस-भारतीय के अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का कद आज जब मैं बहां आयोजित एक समारोह को संबंधित किया।



रक्षा मंत्री ने उपर के मुख्यमंत्री और देश में अटल बिहारी आजपेयी की साथ अधिकारी हां और नेता हां कहना सीख जाएँ, उस दिन विश्वास का संकट दूर हो जाएगा।

दैर्घ्य उन्होंने कहा कि जनता में आम धारणा है कि नौकरशाह जनता के साथ उस तरह व्यवहार नहीं करते, जैसा उन्हें करना चाहिए उन्होंने कहा कि जिस दिन अधिकारी हां और नेता हां कहना सीख जाएँ, उस दिन विश्वास का संकट दूर हो जाएगा।

लखनऊ के स्थानीय सांसद राजनाथ ने उपर के मुख्यमंत्री और देश में अटल बिहारी आजपेयी की साथ अधिकारी हां और नेता हां कहना सीख जाएँ, उस दिन विश्वास का संकट दूर हो जाएगा।

रक्षा मंत्री ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीएसएस) में चाकू धोपकर हत्या कर दी गई। तीन दिन पहले भी चाकू से वार कर क्रिटिस-भारतीय के अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का कद आज जब मैं बहां आयोजित एक समारोह को संबंधित किया।

जनहित का संकल्प लेकर आगे बढ़े अधिकारी

सिंह ने कहा कि अधिकारी देश हित और जनहित का संकल्प लेकर आगे बढ़े। उन्होंने नौकरशाहों को सजग करते हुए कहा कि आईएसएस होने का अंहकार मन में नहीं आना चाहिए, वह कहने का साहस में इसलिए जुटा पा रहा हूं कि राजनीति में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री का पद छोड़कर कोई ऐसा पद नहीं बचा है जिसे मैं नौकरशाहों ही कहा कि आपके लिए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति व्यक्ति नहीं होते, बल्कि संसद्या होते हैं। उन्होंने जीवन में अंहकार से बचने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि कोई निर्णय लेते समय महात्मा गांधी के उस बयान को याद रखें, जिसमें उन्होंने कहा कि जो अपने बचपन से आप इस सोच के साथ काम करना शुरू करेंगे, यकीन मानिए आपको आत्म-संतुष्टि की समझ आ जाएगी। उन्होंने आईएसएस में चयनित अधिकारी को बधाई देते हुए कहा कि आपके लिए उन्होंने कहा कि आपको आत्म-संतुष्टि की समझ आ जाएगी। उन्होंने आईएसएस की तैयारी कर रहा था, लेकिन यह चर्चा करने में संकोच नहीं है कि जो थोड़ा उग्र तेवर का था और किसी ने कुछ गड़बड़ किया तो लड़ जाता था।

अमेरिका जैसी महाशक्ति भारत के प्रधानमंत्री के स्वागत और मेजबानी के लिए लगन से तैयारी करती है और विदेशी मीडिया देश की

सफलता की कहानी के बारे में बात करता है। उन्होंने कहा कि आपके कंधों पर एक बहुत बड़ी जिमेवरी है। आप ऐसे समय में सेवा करने जा रहे हैं जब देश अमृत काल में प्रवेश कर चुका है। जब आप 2047 में अपने कार्यकाल के अंत में होंगे, तब अपनी स्वतंत्रता का 100वां वर्ष मना रहा होगा। अपने भीतर के बच्चे को हमेशा चिंतन बैठक आयेंगे।

रक्षा मंत्री ने कहा कि आपके लिए अलग-अलग तरह की चुनौतियां होंगी, लेकिन मैं आपसे आग्रह करता हूं कि चाहे कितनी भी चुनौतियां और कठिनाईयां वर्त्ती हों, आपको आत्म-संतुष्टि की समझ आ जाएगी। उन्होंने आईएसएस की तैयारी कर रहा था, लेकिन यह चर्चा करने में संकोच नहीं है कि जो थोड़ा उग्र तेवर का था और अपने बचपन से आप इस सोच के साथ काम करना शुरू करेंगे, यकीन मानिए आपको आत्म-संतुष्टि की समझ आ जाएगी। उन्होंने आईएसएस में चयनित अधिकारी को बधाई देते हुए कहा कि आपको आत्म-संतुष्टि की समझ आ जाएगी। उन्होंने आईएसएस की तैयारी कर रहा था, लेकिन यह चर्चा करने में संकोच नहीं है कि जो थोड़ा उग्र तेवर का था और किसी ने कुछ गड़बड़ किया तो लड़ जाता था।

रक्षा मंत्री ने कहा कि आपके लिए अलग-अलग तरह की चुनौतियां होंगी, लेकिन मैं आपसे आग्रह करता हूं कि चाहे कितनी भी चुनौतियां और कठिनाईयां वर्त्ती हों, आपको आत्म-संतुष्टि की समझ आ जाएगी। उन्होंने आईएसएस की तैयारी कर रहा था, लेकिन यह चर्चा करने में संकोच नहीं है कि जो थोड़ा उग्र तेवर का था और अपने बच